

दिल्ली राजपत्र  
Delhi Gazette

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 54]	दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 21, 2014/वैशाख 1, 1936	[ रा.रा.रा.क्षे.दि. सं. 11
No. 54]	DELHI, MONDAY, APRIL 21, 2014/VAISAKHA 1, 1936	[N.C.T.D. No. 11

भाग—IV  
PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली सरकार  
GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

(विधि, न्याय एवं विधायी कार्य विभाग)

अधिसूचना

दिल्ली, 21 अप्रैल, 2014

सं. फा. 6/6/2014—न्याय/Suptlaw/473-476.—न्यायाधिपति श्रीमती गोरला रोहिणी ने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति के रूप में अपने कार्यालय का कार्यभार दिनांक 21-04-2014 से सम्भाल लिया है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल  
के आदेशानुसार तथा उनके नाम पर,  
ए. एस. यादव, प्रधान सचिव

DEPARTMENT OF LAW, JUSTICE AND LEGISLATIVE AFFAIRS

NOTIFICATION

Delhi, the 21st April, 2014

No. F. 6/6/2014-Judl./Suptlaw/473-476.—Shrimati Justice Gorla Rohini has assumed charge of her office as Chief Justice of the High Court of Delhi w.e.f. 21st April, 2014.

By Order and in the Name of the Lt. Governor  
of National Capital Territory of Delhi,

A. S. YADAV, Principal Secy.

## राजस्व विभाग

## आदेश

दिल्ली, 21 अप्रैल, 2014

सं. फा. 1(12)डीसी/एमसी/2014/4392.—यह कार्यकारी आदेश, 2005 की हस्तान्तरण याचिका (सी) 291 में श्रीमती सीमा बनाम अश्विनी कुमार नामक प्रकरण में भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 14.02.2006 के निर्णय में उल्लिखित निर्देशों के अनुपालन के लिये जारी किया जाता है।

जबकि उक्त उल्लिखित निर्णय में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने सम्बद्ध राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में सम्पन्न विवाहों के अनिवार्य पंजीकरण के लिये निदेश दिये।

और जबकि इसके अनुपालन में और दिल्ली में विवाह के पंजीकरण को नियंत्रित करने वाले कानून को समेकित करने के लिये इन कार्यकारी निर्देशों की एकसमान प्रक्रिया बनाने के लिये दिल्ली संघ राज्य क्षेत्रों में हुए विवाहों के अनिवार्य पंजीकरण के लिये इसके द्वारा जारी किये जाते हैं।

## 1. संक्षिप्त शीर्षक, विस्तार एवं प्रारम्भ :-

- (क) इस आदेश को (दिल्ली विवाह का अनिवार्य पंजीकरण) आदेश, 2014 कहा गया है।
- (ख) यह आदेश विवाह के पक्षकारों द्वारा घोषित जाति, पन्थ और धर्म को ध्यान रखे बिना दिल्ली में सम्पन्न हुए सभी प्रकार के विवाहों पर लागू होगा।
- (ग) यह आदेश शासकीय राजपत्र में अपनी अधिसूचना की तिथि से प्रभावी होगा।

## 2. विवाह का अनिवार्य पंजीकरण :-

- (क) इस आदेश के प्रारम्भ होने पर, विवाह के सम्पन्न होने की तिथि को 21 वर्ष की आयु पूरी कर चुके किसी पुरुष तथा 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी किसी महिला के बीच दिल्ली में सम्पन्न हुए किसी विवाह और पक्षकारों में कम से कम कोई एक भारतीय है, ऐसा विवाह, ऐसे विवाह के किसी पक्षकार या पक्षकारों द्वारा घोषित जाति, पन्थ और धर्म को ध्यान में रखे बिना इस आदेश के अनुसार अनिवार्य रूप से पंजीकरण करना होगा। शर्त यह है कि यदि विवाह किसी प्रचलित कानून के अनुसार पहले ही पंजीकृत हैं, तो इसे आदेश के अन्तर्गत पंजीकृत कराना अपेक्षित नहीं होगा।
- (ख) किसी प्रथा या परिपाटी में कुछ भी रहते हुए, जो विवाह के अनिवार्य पंजीकरण सम्बन्धी पूर्वोक्त प्रावधान की प्रतिष्ठा के प्रतिकूल हो सकती है, जो इस आदेश के उप-खण्ड (क) के प्रावधान का अध्यारोही प्रभाव होगा।

## 3. विवाह अधिकारी :-

इस आदेश के अनुसार विवाह के अनिवार्य पंजीकरण हेतु हिन्दु विवाह अधिनियम, विशेष विवाह अधिनियम या दिल्ली में तत्समय प्रचलित किसी अन्य कानून के अन्तर्गत विवाह अधिकारी को इसी आदेश के अन्तर्गत विवाह पंजीकरण करने का भी अधिकार होगा।

शर्त यह है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार इस आदेश के प्रयोजनार्थ अतिरिक्त विवाह अधिकारियों को नियुक्त कर सकती है, और इस प्रयोजन के लिये सेवानिवृत्त किसी राजपत्रित अधिकारी को विवाह अधिकारी की शक्ति उसकी सेवानिवृत्ति के बाद 5 वर्ष तक की अवधि के लिये और 65 वर्ष की आयु न पूरी कर चुके को सौंप सकती है।

## 4. प्रक्रिया :-

- (क) 60 दिन की अवधि के भीतर, जिस दिन विवाह का अन्तिम समारोह सम्पन्न हुआ है उस दिन को छोड़कर, पक्षकार विवाह पंजीकरण कराने के लिए क्षेत्राधिकार वाले विवाह अधिकारी को अपने विवाह के पंजीकरण हेतु निर्धारित प्रपत्र 'क' में संयुक्त रूप से आवेदन करेंगे।
- (ख) ऐसे निर्धारित आवेदन पत्र के साथ विवाह के दोनों पक्षकारों की आयु का, विवाह के सम्पन्न होने का, पक्षकारों की पहचान, विवाह के पक्षकारों को आवासीय स्थान का, पक्षकारों की नागरिकता सम्बन्धी दस्तावेज संलग्न होंगे, यदि कोई हो। इसके साथ दो सौ रुपये का अपेक्षित शुल्क होगा।
- (ग) उक्त यथा निर्धारित अपेक्षित प्रलेखों सहित ऐसे आवेदन प्राप्त होने पर और ऐसे प्रमाण की प्रामाणिकता सम्बन्धी विवाह अधिकारी की सन्तुष्टि होने पर प्रपत्र 'ख' के अनुसार इस प्रयोजन के लिए निर्धारित रजिस्टर में यह दर्ज किया जायेगा।
- (घ) समस्त जानकारी से पूर्ण आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् तथा निर्धारित रजिस्टर में दर्ज करने के पश्चात् विवाह अधिकारी सम्बन्धित पक्षों को व्यक्तिगत रूप से दो गवाहों के साथ उपस्थित होने के लिए तिथि निश्चित करेगा जो उस विवाह के अनुष्ठान को प्रमाणित करेंगे। इन गवाहों के पास दिल्ली के स्थाई निवास का सबूत होगा।

(ड.) निश्चित तिथि या किसी अन्य बढ़ाई गई तिथि को सम्बन्धित पक्षों के गवाहों के साथ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने पर तथा दिल्ली में विवाह के अनुष्ठान के प्रति आश्वस्त होने पर विवाह अधिकारी फार्म 'ग' के अनुसार उस विवाह का अपेक्षित पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी करेगा।

#### 5. विवाह अधिकारी का क्षेत्राधिकार—

विवाह अधिकारी को उसी क्षेत्राधिकार में विवाह के पंजीकरण का अधिकार होगा जिस जिले में विवाह का अनुष्ठान हुआ है।

उपबन्ध है कि उप-दण्डाधिकारी (मुख्यालय), अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी तथा दिल्ली के जिला दण्डाधिकारी को सम्पूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के किसी भी राजस्व जिले में अनुष्ठान किये गये विवाह के पंजीकरण का समवर्ती क्षेत्राधिकार होगा।

#### 6. देरी की माफी :—

यदि निर्धारित 60 दिन की अवधि में विवाह का पंजीकरण नहीं होता है, तो विवाह अधिकारी को देरी की माफी का अधिकार होगा और जो आगे 60 दिन से अधिक नहीं होनी चाहिए। और इसीलिए 500 रुपये के अतिरिक्त शुल्क का भुगतान करने पर विवाह का पंजीकरण होगा।

#### 7. निर्धारित अवधि में विवाह पंजीकरण न होने के परिणाम :—

यदि विवाह सम्बन्धी किसी पक्ष ने निर्धारित अवधि/या बढ़ाई गयी अवधि में अपना विवाह पंजीकृत नहीं करवाया है, तो उसे विवाह अधिकारी द्वारा लगाये गये 1000 रुपये का अर्थ दण्ड चुकाना होगा।

उपबन्ध है कि जिले का अतिरिक्त जिला अधिकारी/जिला दण्डाधिकारी, दिल्ली विवाह पंजीकरण न करवाये जाने के विषय में प्रार्थना-पत्र देकर पंजीकरण न करवाने का उपयुक्त स्पष्टीकरण देता है, तो उक्त अर्थदण्ड या उसके किसी भाग को माफ कर सकता है। तत्पश्चात् अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी या जिला दण्डाधिकारी क्षेत्राधिकार वाले विवाह अधिकारी का अपेक्षित शुल्क तथा लगाये गये अर्थदण्ड के भुगतान करने पर विवाह को पंजीकरण करने हेतु निदेश देगा।

#### 8. वैधता :—

इस आदेश के अनुसार विवाह पंजीकरण को विवाह की वैधता नहीं माना जायेगा क्योंकि यह विवाह के संबंधित पक्षों पर लागू होने वाले कानून, रिवाज तथा अपनाई गई परम्परा की विषय वस्तु हैं।

#### 9. ई-पंजीकरण :—

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार विवाह के अनिवार्य पंजीकरण हेतु ऑनलाइन आवेदन करने तथा मुलाकात का समय लेने के लिए विशेष पोर्टल तैयार करने के लिए प्रयत्न करेगा। इस पोर्टल पर वैकल्पिक रूप से आवेदन फार्म उपलब्ध होंगे जिसे संबंधित पक्ष डाउनलोड करके विवाह पंजीकरण कार्यालयों के काउंटरों पर अपेक्षित दस्तावेजों के साथ जमा करा सकते हैं। आवेदन व्यक्तिगत रूप से या ऑनलाइन जमा करने पर विवाह पंजीकरण की निश्चित तिथि सहित कम्प्यूटर द्वारा तैयार किया गया प्रथमिकता नम्बर भी आवेदकों को प्राप्त होगा जिसे विवाह पंजीकरण हेतु विवाह अधिकारी के सम्मुख व्यक्तिगत रूप से उपस्थिति के समय प्रस्तुत करना होगा।

#### 10. विवाह का तत्काल पंजीकरण :—

तत्कालिकता की स्थिति के वरीयता आधार पर विवाह पंजीकरण के लिए दस हजार रुपये के अतिरिक्त शुल्क का भुगतान करने पर समनुरूप वैकल्पिक सुविधा भी उपलब्ध है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल के

आदेश से तथा उनके नाम पर,

धर्मपाल, मंडलीय आयुक्त

## क-प्रपत्र

दिल्ली (अनिवार्य विवाह पंजीकरण) आदेश, 2014 के अंतर्गत अनिवार्य विवाह पंजीकरण के लिए आवेदन पत्र

फोटोग्राफ के लिए स्थान	फोटोग्राफ के लिए स्थान
---------------------------	---------------------------

1.	आवेदकों के नाम (संलग्न पहचान-पत्र प्रमाण के विवरण)	:	बधु ..... .....	वर ..... .....
2.	आवेदकों के माता/पिता	:	पिता का नाम ..... ..... माता का नाम ..... .....	पिता का नाम ..... ..... माता का नाम ..... .....
3.	विवाह की तिथि को आवेदकों की आयु	:	.....	.....
4.	आवेदकों की जन्म तिथि (संलग्न प्रमाण के विवरण)	:	..... .....	..... .....
5.	विवाह से पूर्व आवेदकों की वैवाहिक स्थिति (अर्थात् क्या अविवाहिता/अविवाहित/ विवाह विच्छेद, विधवा/विधुर आदि) (संबंधित प्रमाण संलग्न करें यदि कोई हों)	:	..... ..... ..... .....	..... ..... ..... .....
6.	आवेदकों की राष्ट्रीयता	:	..... .....	..... .....
7.	विवाह से पूर्व आवेदकों के आवास का स्थाई स्थान (संलग्न प्रमाण के विवरण)	:	..... ..... ..... .....	..... ..... ..... .....
8.	विवाह के उपरांत दिल्ली में आवेदक के आगमन का स्थान (संलग्न प्रमाण विवरण)	:	..... ..... ..... .....	..... ..... ..... .....
9.	विवाह समारोह की तिथि	:	.....	.....

10.	दिल्ली में विवाह समारोह का स्थान (संलग्न प्रमाण का विवरण)	:	..... ..... .....	..... ..... .....
11.	यदि विवाह किसी धार्मिक स्थान पर किया गया था तो ऐसे स्थान का विवरण दीजिए (पादरी, मौलवी, पण्डित, चर्च का फादर, गुरुद्वारा प्रबंधक आदि यदि कोई हो का प्रमाण-पत्र)	:	..... .....	..... .....
12.	धर्म, प्रथा, परिपाटी यदि कोई है, जिसके अंतर्गत विवाह समारोह किया गया था ।	:	..... .....	..... .....
13.	यदि आवेदकों में से कोई एक विदेशी है, तो उसकी राष्ट्रीयता और प्रमाण संलग्न कीजिए ।	:	..... .....	..... .....
14.	यदि विवाह समारोह के लिए दो साक्षियों के नाम तथा विवरण	:	साक्षी संख्या 01 ..... .....	साक्षी संख्या 02 ..... .....
15.	आवेदन शुल्क भुगतान करने की पद्धति	:	..... .....	..... .....

सत्यापन :

यह 20      के माह      के      दिन को दिल्ली में सत्यापित किया गया कि उक्त उल्लिखित तथ्य सत्य तथा सही हैं

साक्षी संख्या 1 .....

आवेदक संख्या 1 .....

साक्षी संख्या 2 .....

आवेदक संख्या 2 .....

"ख" प्रपत्र

दिल्ली (विवाह का अनिवार्य पंजीकरण) आदेश, 2014 के अन्तर्गत विवाह का पंजीकरण

क्र. सं.	आवेदन पत्र की संख्या एवं तिथि	विवाह की तिथि एवं स्थान	आवेदकों के नाम एवं माता-पिता		आवेदकों की आयु तथा जन्म की तिथि	
			पति	पत्नी	पति	पत्नी
1	2	3	4	5	6	7

आवेदकों की राष्ट्रीयता		आवेदकों का कोई स्थाई निवास स्थान हो, तो उल्लेख कीजिए		टेलीफोन संख्या एवं ई-मेल आईडी (यदि कोई हो) सहित वर्तमान निवास स्थान		आवेदकों के हस्ताक्षर	
पति	पत्नी	पति	पत्नी	पति	पत्नी	पति	पत्नी
8	9	10	11	12	13	14	15

1708 DG/14-2

दो साक्षियों के नाम तथा विवरण	साक्षियों के हस्ताक्षर	पंजीकरण की तिथि सहित विवाह अधिकारी के हस्ताक्षर
16	17	18

“ग” प्रपत्र

कार्यालय, विवाह अधिकारी

जिला—

दिल्ली सरकार (भारत)

दिल्ली (अनिवार्य विवाह पंजीकरण) आदेश, 2014 के अन्तर्गत विवाह प्रमाण-पत्र

क्र. सं.

पंजीकरण संख्या एवं तिथि

प्रमाणित किया जाता है कि

पत्नी की फोटोग्राफ  
का स्थान

कुमारी

सुपुत्री श्री

एवं श्रीमती

निवास

आयु

जन्म तिथि

पति के फोटोग्राफ  
का स्थान

एवं

श्री

सुपुत्र श्री

एवं श्रीमती

निवास स्थान

आयु

जन्म तिथि

के बीच विवाह

पक्षकारों द्वारा अपनाई गई प्रथा के अनुसार दिल्ली में दिनांक ..... हुए विवाह के निम्नलिखित साक्षी हैं:-

1. श्री/श्रीमती ..... सुपुत्र/पत्नी/पुत्री .....  
निवास स्थान .....
2. श्री/श्रीमती ..... सुपुत्र/पत्नी/पुत्री .....  
निवास स्थान .....

इस कार्यालय में प्रस्तुत विवरण के आधार पर ..... दिल्ली/नई दिल्ली में सम्पन्न हुए विवाह के संबंध में विवाह अधिकारी का कार्यालय जिला ..... पर दिनांक ..... को विधिवत् पंजीकृत किया गया।

आवेदक के हस्ताक्षर/पत्नी .....

आवेदक के हस्ताक्षर/पति .....

यह वर्ष ..... के माह ..... के दिन/दिनांक ..... विवाह अधिकारी के हस्ताक्षर/मोहर के अन्तर्गत जारी किया गया।

## REVENUE DEPARTMENT

## ORDER

Delhi, the 21st April, 2014

**No. F. 1(12)/DC/MC/2014/4392.**—This executive order is issued in compliance of the directions given in the judgement dated 14-02-2006 by the Hon'ble Supreme Court of India in the case titled Smt. Seema Vs. Ashwani Kumar in Transfer Petition (C) No. 291 of 2005.

Whereas, the Hon'ble Supreme Court in the above said judgement directed for compulsory registration of marriages solemnized in the respective state/U. Territories.

And whereas, in compliance thereof and also to consolidate the law governing registration of marriage in Delhi and to maintain procedural uniformity these executive directions are hereby issued for compulsory registration of marriages solemnized in the Union Territory of Delhi.

**1. Short title extent and commencement :**

- (a) This order is called the Delhi (Compulsory Registration of Marriage) Order, 2014.
- (b) This order shall extend to all marriages solemnized in Delhi irrespective of caste creed and religion professed by the parties to the marriage.
- (c) This order shall come into effect on the date of its notification in the official gazette.

**2. Compulsory registration of marriage :**

- (a) On the commencement of this order, any marriage solemnized in Delhi, between a male having completed 21 years of age and a female having completed 18 years of age on the date of solemnization of the marriage and of which at least one of the parties is an Indian citizen, such marriage shall be compulsorily registerable in accordance with this order, irrespective of caste, creed and religion professed by any party or parties to such marriage. Provided that if the marriage has already been registered under any existing law, the same shall not be required to be registered under this order.
- (b) Notwithstanding anything in any custom or practice, which may be in derogation with the aforesaid provision regarding compulsory registration of marriage, the provision of sub-clause (a) of this order shall have an overriding effect.

**3. Marriage officer :**

For the purpose of compulsory registration of marriage in accordance with this order, the marriage officer already appointed for registration of marriage under the Hindu Marriage Act, Special Marriage Act or any other law for the time being in force in Delhi shall have the jurisdiction to register marriage under this order also :

Provided that the Government of NCT of Delhi may appoint additional marriage officers for the purpose of this order and may also delegate the power of marriage officer to any retired gazetted officer appointed for this purpose for such period not exceeding 5 years after his retirement and having not attained the age of 65 years.

**4. Procedure :**

- (a) Within a period of 60 days, excluding the day on which the final ceremony of marriage is solemnized, the parties to the marriage shall apply jointly in the prescribed Form-A for registration of their marriage addressed to the marriage officer having jurisdiction to register the same.

- (b) Such prescribed application shall be accompanied by documentary proof of age of both of the parties to the marriage, solemnization of marriage, identification of the parties, place of residence of the parties to the marriage, citizenship of the parties if any along with the requisite fee of Rupees Two Hundred.
- (c) On receiving such application alongwith requisite documents as prescribed above and satisfaction of the marriage officer as regard authenticity of such proof, the same shall be entered in the register of marriage prescribed for this purpose as per Form-B.
- (d) After having received such application complete in all aspect and having entered the same in the prescribed register, the marriage officer shall fix a date for the parties to appear in person alongwith two witnesses who shall certify to the solemnization of such marriage and bearing proof of permanent resident of Delhi.
- (e) The marriage officer thereafter on personal appearance of the parties with witnesses on such appointed date or any other extended date and on satisfaction of solemnization of such marriage in Delhi shall issue the requisite certificate of registration of such marriage as per Form-C.

**5. Jurisdiction of marriage officer :**

The marriage officer within whose district the marriage has been solemnized shall have the jurisdiction to register the marriage:

Provided that the Sub-Divisional Magistrate (Head Quarter), Additional District Magistrate and District Magistrate of Delhi shall have concurrent jurisdiction over entire Delhi to register any marriage solemnized in Delhi within any Revenue District of Union Territory of Delhi.

**6. Condonation of delay :**

In case of default to get the marriage registered within the prescribed period of 60 days, the marriage officer shall have the power to condone the delay not exceeding further 60 days subject to additional fee of Rupees Five Hundred and thereafter register the marriage.

**7. Consequence of non-registration of marriage within the period prescribed :**

Any party to the marriage having not registered their marriage within the prescribed period/or extended period shall suffer a penalty of Rupees One Thousand, imposed by the marriage officer:

Provided that such penalty or any part of it may be remitted by the Additional District Magistrate of such district or the District Magistrate, Delhi on application made in respect thereof by any party explaining reasonable cause for not getting the marriage registered. The Additional District Magistrate or the District Magistrate shall thereafter direct the marriage officer having jurisdiction, to register such marriage on payment of requisite fee and the penalty so imposed.

**8. Validity :**

Registration of marriage under this order will not tantamount to validity of marriage as the same would be the subject-matter of the respective law, custom and practice professed by the parties as applicable to such marriage.

**9. E-registration :**

The Govt. of NCT of Delhi shall endeavor to create a dedicated portal for the purpose of online submission of application and prior appointment to facilitate compulsory registration of marriage. The application form alternatively shall be available on such portal which may be downloaded by the parties and be submitted alongwith requisite



documents manually at the respective counters of the marriage registration offices. On such submission either manually or online, a computer generated priority number along with appointed date for registration of marriage shall be made available to the applicants to be produced at the time of personal appearance before the marriage officer to register the marriage.

#### 10. Tatkal registration of marriage :

To facilitate registration of marriage in case of urgency on priority basis, corresponding optional facility shall also be available subject to payment of additional fee of Rupees Ten Thousand.

By Order and in the Name of the Lt. Governor  
of the National Capital Territory of Delhi,  
DHARAM PAL, Divisional Commissioner

#### FORM-A

[Under Delhi (Compulsory Registration of Marriage) Order, 2014.]  
Application form for compulsory registration of marriage

Space for Photograph	Space for Photograph
-------------------------	-------------------------

1.	Name of the applicants (Particulars of I.D. proof attached)	:	<b>Bride</b> ..... .....	<b>Bridegroom</b> ..... .....
2.	Parentage of the applicants	:	Father's name ..... ..... Mother's name ..... .....	Father's name ..... ..... Mother's name ..... .....
3.	Age of the applicants as on date of marriage	:	.....	.....
4.	Date of birth of the applicants (particulars of proof attached)	:	..... ..... .....	..... ..... .....
5.	Marital status of the applicants before marriage (i.e. whether spinster/ bachelor, divorcee, widow.	:	..... ..... .....	..... ..... .....

1708DG/14-3

	(Attached corresponding proof if any)			
6.	Nationality of the applicants	:	.....	.....
7.	Place of permanent residence of the applicants before marriage (particulars of proof attached)	:	.....	.....
8.	Place of residence of the applicants in Delhi after marriage (particulars of proof attached)	:	.....	.....
9.	Date of solemnization of marriage.	:	.....	.....
10.	Place of solemnization of marriage in Delhi (particulars of proof attached)	:	.....	.....
11.	If marriage was solemnized at any religious place, the particulars of such place. (Attach certificate from the Priest, Maulvi, Pandit, Father of the Church, Gurudwara Prabandhak etc. if any)	:	.....	.....
12.	The religion, custom, practice if any, under which the marriage was solemnized	:	.....	.....
13.	In case one of the applicants is foreign national, the nationality and proof attached thereof.	:	.....	.....
14.	Name and particulars of the two witnesses to the marriage ceremony.	:	Witness No.1 ..... ..... .....	Witness No.2 ..... ..... .....
15.	Mode of payment of application fee.	:	.....	.....

**VERIFICATION :**

Verified at Delhi on this ..... day of ....., 20... that the facts stated hereinabove are true and correct.

Witness No.1  
Applicant No.1

Witness No.2  
Applicant No.2

## FORM "B"

## Register of Marriage Under Delhi (Compulsory Registration Of Marriage) Order, 2014

S. No.	No. & Date of application	Date and place of marriage	Name & parentage of applicants		Age of applicants and date of birth	
			Husband	wife	Husband	wife
1	2	3	4	5	6	7

Nationality of the applicants		Permanent dwelling place, if any of the applicants		Present dwelling place, with Tel. No. & Email I.D. (if any)		Signature of the applicants	
Husband	Wife	Husband	wife	Husband	Wife	Husband	Wife
8	9	10	11	12	13	14	15

Name and particulars of two witnesses	Signature of witnesses	Signature of the marriage officer with date of registration
16	17	18

## FORM "C"

## OFFICE OF THE MARRIAGE OFFICER

DISTRICT .....

GOVT. OF NCT OF DELHI (INDIA)

## Certificate of Marriage under the Delhi (Compulsory Registration of Marriage) Order-2014

S.No.

Regn. No. &amp; date .....

Certified that a **MARRIAGE****BETWEEN**

Ms. ...., D/o Mr. .... & Mrs. ....  
 R/o ..... age ..... born on .....

Space for  
 photograph  
 of wife

**AND**

Mr. ...., S/o Mr. .... & Mrs. ....  
 R/o ..... age ..... born on .....

Space for  
 photograph  
 of husband

Having been solemnized at Delhi on ..... according to the custom practiced by the parties duly witnessed by

(1) Mr./Ms. ...., S/W/D/o .....

R/o ..... and  
 (2) Mr./Ms. ...., S/W/D/o .....  
 R/o .....

Has been duly registered on ..... at the office of Marriage Officer, District .....  
 at ..... New Delhi/Delhi, on the basis of the particulars furnished in  
 this office.

Signature of the applicant/wife .....  
 Signature of the applicant/husband .....

Issued on this ..... day of ..... of the year .....  
 Under the hand & seal of the Marriage Officer (signature) .....

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अलपसंख्यक कल्याण विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 21 अप्रैल, 2014

सं. फा. 7(7)/2013-14/डीएससीएसटी/एससीपी/खंड-VI/333.—हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिशोध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 (2013 का 25) की धारा 21 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल, एतद्वारा समस्त ग्यारह अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, जिन्हें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में कार्यकारी मजिस्ट्रेट की शक्तियाँ प्रदत्त हैं, को दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 के प्रयोजनार्थ उनके संबंधित क्षेत्राधिकार में इस अधिनियम के अन्तर्गत प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के रूप में अपराधों पर विचारण के लिए प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट की शक्तियाँ प्रदान करते हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल  
 के आदेश से और उनके नाम पर,  
 के. पी. रंगारी, उप-निदेशक

## DEPARTMENT FOR THE WELFARE OF SC/ST/OBC/MINORITIES,

### NOTIFICATION

Delhi, the 21st April, 2014

No. F. 7(7)/2013-14/DSCST/SCP/Vol.VI/333.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 21 of the Prohibition of Employment as Manual Scavengers and their Rehabilitation Act, 2013 (25 of 2013), the Lieutenant Governor of the National Capital Territory of Delhi hereby pleased to confer on all the eleven Additional District Magistrate, who have been conferred the powers of the Executive Magistrate in the National Capital Territory of Delhi, the powers of the Judicial Magistrate of the first class for trial of offences under the said Act in their respective jurisdiction for the purpose of the Code of Criminal Procedure, 1973 to be a Judicial Magistrate of the first class.

By Order in the Name of the Lt. Governor of the  
 National Capital Territory of Delhi,  
 K. P. RANGARI, Dy. Director